

## तीन का वर्ष — 1993

---

उस साल से तैंतीस साल बीत चुके हैं। तीन एक ऐसी संख्या है जो मेरे जीवन में, जो मैं हूँ उसमें, जो मैं करता हूँ उसमें, मेरे अस्तित्व में ही बुनी हुई है — और इसे पूरी तरह समझने के लिए मुझे साठ साल इंतज़ार करना पड़ा: तीन गुणा बीस, एक त्रिकोणासन, प्रार्थना की तरह, त्रिकोण की तरह, माँ जिलेट के तीन ब्लेडों की तरह।

संख्या तीन। कोई अपवर्तन नहीं — एक अभाज्य। जिसका अर्थ है, एक साथ, तीन चीज़ें: पुरुष की पूर्णता।

वह वही साल था जब मैंने शादी करने का फैसला किया, मुझे अकेले के लिए बनी एक कॉर्पोरेट नियुक्ति मिली, फ्रीमेसनरी में दीक्षा स्वीकार की, अपने बच्चों का जन्म देखा, अपने सहयोगियों से तीन गुना अधिक मुनाफ़ा कमाया, और पेशेवर रूप से प्लस तैंतीस प्रतिशत की वृद्धि वृद्धि के साथ परिपक्व हुआ।

एक साल जो फ्रेम कराए जाने लायक है — और मैं यह आज कह रहा हूँ तैंतीस साल बाद।

यह रुडयार्ड किपलिंग की द जंगल बुक के साथ मेरी पहली गंभीर मुलाकात का भी साल था, और फिर If — के साथ, जो उन्होंने अपने बेटे की असमयिक मृत्यु के बाद उसे लिखी थी।

मैं गहराई से भावुक हुआ, एक पुरुष के रूप में, एक पिता के रूप में, एक फ्रीमेसन के रूप में। उसके बाद मेरा जीवन फिर वैसा नहीं रहा।

रुडयार्ड किपलिंग — लेखक, कवि, फ्रीमेसन, पत्रकार। 1865 में भारत में जन्मे, मुझसे ठीक सौ साल पहले। नब्बे साल से गुज़र चुके।

आज मैं खुद को यह देखते हुए पाता हूँ कि भारतीय मूल का एक व्यक्ति उस कंपनी की बागडोर पर क्या फैसले लेगा जिसने मेरे परिवार को सब कुछ दिया।

मुझे बहुत उम्मीद है कि उसने भी If — पढ़ा हो।

स्वागत है, श्रीमान अध्यक्ष। आप मेरे भी अध्यक्ष हैं — क्योंकि आप मेरी माँ के संरक्षक हैं। इसके लिए, मैं बस आपका धन्यवाद कर सकता हूँ।

---

फेर्दिनान्दो

*Ferdinando Frega — gillettenuarrative.com*